आओ वीर हनुमान देवता सारे
म्हारे रीद्ध सिद्ध लेकर आओ गजानंद प्यारे ।

रणत भँवर से आवो गजानंद देवा
थारे रीद्ध सिद्ध घर नार करे थारी सेवा ।।

सिंह चढ़ी हिंगलाज जगे मेया ज्योति ,
थारे गल पुष्पन का हार, हंस चुगे मोती ।।

थे आवो वीर हनुमान

हो बेल न असवार शंकर देवा
थारे भूत जोगनी नार थारी करे सेवा ।

हो भैसे असवार शनि महाराजा ,
तेरे भक्त करे अरदास सार तेरा काजा ।।

गावे नरसिंह दास सिंघाने वाला , थाणे~
थारे हरदम करता ध्यान करो प्रतिपाला ।।